

Alas de fuego
Tierra Santa

=*= INTRO =*=

F#m	E	F#m	A
/-----9-7-9---10---9-7---9-7-----/		/-----9-7-9---10---9-7---9-7-----/	
/-----10-----10---/		/-----10-----10---/	
/-----/		/-----/	
/-----/		/-----/	
/-----/		/-----/	

F#m	A	Bm	D
/-----9-7-9---10---9-7---9-7-----/	/-----7-----10-----/		
/-----10-----10---/	/-10-----/		
/-----/	/-----/		
/-----/	/-----/		
/-----/	/-----/		

F#m	E	F#m	A
/-9---9-7-9---10---9-7---9-7-----/		/-----9-7-9---10---9-7---9-7-----/	
/-----10-----10---/		/-----10-----10---/	
/-----/		/-----/	
/-----/		/-----/	
/-----/		/-----/	

F#m	D	C#m	Bm	x3
/-----9-7-9---10---9-7---9-7-----/	/-10-----/	/-9-----/	/-7-----/	/
/-----10-----10---/	/-----/	/-----/	/-----/	/
/-----/	/:-----/	/:-----/	/:-----/	/
/-----/	/:-----/	/:-----/	/:-----/	/
/-----/	/-----/	/-----/	/-----/	/

C#m	x2
// -9-----//	
//-----//	
:-----:	
:-----:	
//-----//	
//-----//	

=*= RIFF 1 =*=


```

/-----/-----/
/-----/-----/
|-7-----7-----7-----/-----/
|-5---5-5-5-5-5---5-5-5-5-5---5-5-|-5---4---5---7---5---4---2---0---/
/-----/-----/------(0)---/
. . . . . P.M.

```

tal

```

F#m E
/-----/-----/
/-----/-----/
|-9-----/-----/
|-4-----/-----/
|-4-----/-----/
|-2-----/-----/

```

Alas de fuego

Dueño del viento y la

```

D C#m
/-----/-----/
/-----/-----/
|-6-----/-----/
|-7-----7-----7-----/-----/
|-5---5-5-5-5-5---5-5-5-5-5---5-5-|-5-----4-----/
/-----/-----/

```

. P.M.

tempestad

```

Bm
/-----/-----/
/-----/-----/
|-4-----/-----/
|-4-----/-----/
|-2-----/-----/

```

Y aunque la noche te atrape

Tu-

```

A C#m x2
/-----/-----/-----/
/-----/-----/-----/
|-2-----/:-----:/
|-2-----/:-6-----6-----6-----:/
|-0-----/|-4---4-4-4-4-4---4-4-4-4-4---4-4-//
/-----/-----/-----/

```

. P.M.

fuego siempre arde-

-rá.

== se repite RIFF 1 ==

== SOLO ==

F#m

-----	-----
-----6*-b7-----r-	*6-----
-4-----	-----7---6---4---
-----	-----
-----	-----

E

-----	-----
-----4*-b6-----r-	4-----6-----7---
-2-----	-----
-----	-----
-----	-----

D

|-----4-----5.--|-7--/9-----7-5-|
/7-----	-----
-----	-----
-----	-----

A

E

7-----5---4-----	-----
-----7---5---	-----
-----7---6-----	-----
-----7---6---4-----	-----
-----*7---4-----	-----
-----0-----	-----

F#

|-----|
-12-----b14--b14--%-.....--

|-----|
|-----%-12-12-10-----|
-----13-11~-----

E

|-----9--10--12-----|
|-----9--10--12-----10--9-----9-----|
--9-----11-----11--

|-----|
|-----/8\-----|
--9---7---6---7-----

D

|-----|
|--9-----7-----|
-----6-----6---9---6---7---6---

-----6-----6-----6---
--9-----7---6---7---9---7---9-----9---

A

|-----|
|-----7-----7---9---7---10---|
--7---6---7---9---7---9-----9-----

E

|-----|
--9--9--9--9-10-10-10-10-12-12-12-12-14-14-12-10-

D

|--14p10----10-14p10----10-14p10----10-14p10----10-|
-----10-----10-----10-----10-----

E

|--7p-4-----4--7p-4-----4--7p-4-----4--7p-4-----4-|
-----5-----5-----5-----5-----

F#m

```

|--7--9--10--7-----|
|-----10--9--7-----7-----|
|-----9--7-----9--7--|
|-----|
|-----|
|-----|

```

```

|-----10-|
|-----10-|
|--6--9--6--7-----*6b7-r-|
|-----9--7-----|
|-----|
|-----|

```

D

```

|-14p10----10-14p10----10-14p10----10-14p10----10-|
|-----10-----10-----10-----10-----|
|-----|
|-----|
|-----|
|-----|

```

E

```

|--7p-4----4--7p-4----4--7p-4----4--7p-4----4-|
|-----5-----5-----5-----5-----|
|-----|
|-----|
|-----|
|-----|

```

C#m

```

|-----|-----|
|-----|-----|
|-6--7--6--4--6--7--6--4--|-6--7--6--4--6-- . --6-----|
|-----|-----|
|-----|-----|
|-----|-----|

```

```

|-----|-----10-----9-----7-----|
|-----5--7--|-----10-----9-----5-----|
|-6--7--6--4--6--7--|-----|
|-----|-----|
|-----|-----|
|-----|-----|

```

== se repite RIFF 1 ==

== se repite CORO ==

== se repite RIFF 1 (segunda guitarra cambia el ritmo) ==

=*= OUTRO =*=

D	C#m	Bm	A	E	A
/-10-----9-----7-----/				/-----/	
/-----10-----/				/-----10-----/	
/-----/				/-9-----/	
/-----/				/-----/	
/-----/				/-----/	
/-----/				/-----/	

F#m

/-----/
/-7~-----/
/-----/
/-----/
/-----/
/-----/

=*= LETRA =*=

Surcando los cielos huyó del Edén
batiendo sus alas de fuego
Burló los caminos de la tentación
y ahora su fuego es eterno
La magia marcó su destino al volar
y resurgió de sus cenizas
Poeta del aire con alma inmortal
que nunca debió despegar

Y aunque la noche lo pueda atrapar
Y reine la oscuridad
Un nuevo día su vuelo traerá
Y el fuego de nuevo arderá

Subiendo a lo alto su llama encendió
robando la furia del viento
Busco la semilla de la tempestad
y de su fuerza el fue dueño
Su llama brilló más allá de la tierra
y el cielo se unió con su fuego
La magia burló su anhelada virtud
que nunca se pudo alcanzar.

Y aunque la noche lo pueda atrapar
Y reine la oscuridad
Un nuevo día su vuelo traerá
Y el fuego de nuevo arderá

Alas de fuego
De tus cenizas resurgirás
Arriba en el cielo

vuela tu llama inmortal
Alas de fuego
Dueño del viento y la tempestad
Y aunque la noche te atrape
Tu fuego siempre arderá.